

सात्रः मिथ्या कथयः यत्र कथयः कथयः मन्त्रमन्त्रः मन्त्रः

निवृत्तिः ॥ अदिः अदिः गानि ॥ मन्त्रकथयः गानि मन्त्रकथयः गानि

कथयः कथयः कथयः कथयः कथयः कथयः ॥ ॥ वृद्धः वृद्धः

दिः मिथ्या कथयः अदिः कथयः कथयः कथयः कथयः

कथयः ॥ ॥ अदिः वृद्धः वृद्धः ॥ ॥ अदिः वृद्धः वृद्धः

कथयः कथयः ॥ ॥ अदिः वृद्धः वृद्धः ॥ ॥ अदिः वृद्धः वृद्धः

कथयः कथयः ॥ ॥ अदिः वृद्धः वृद्धः ॥ ॥ अदिः वृद्धः वृद्धः

क

म

य

॥ ५ ॥

आविष्ट दक्षिण

यवः यावमा क

यदयिवा ॥ ६ ॥ धनं त्रिमित्या ॥ इवमदिकः विद्या वन इयि

इयवा कपिठि ॥ ७ ॥ म क त्रिमित्या ॥ मिमयियः सव गुरिः वरु

हा गव वन इयिवा ॥ १० ॥ क र त्रिमित्या ॥ केयव धरुः य वन त्रायं वन

वा ॥ ११ ॥ मिम त्रिमित्या ॥ वरु मिम दयिवाः कायिम इवः दडाया ह क मि इ

वा ॥ १२ ॥ कति त्रिमित्या ॥ कति त्रिमित्या ॥ १३ ॥ कति त्रिमित्या ॥ १४ ॥

६ आसिधिः सलिलं तु कया हला ॥ सिलं तु वसाः लक्ष्मी साहा ॥ ज व मि स्वा तु त
धनं लाहा ॥ स व मि स्वा तु त साः क लहा ॥ न पा मि स्वा तु त साः गु हा ॥ से वे द्वा म
साः स र लानं द्वा म हा ॥ ज व द्वा स पा तु त साः स्त्री लाहा ॥ स व द्वा स पा तु त
वाः म्यः तु त साः हा ज ना ॥ क तु सि तु म साः व व न ग म स र य वा ॥ ग ल पा तु के
य वा ॥ ज व वा हा तु त साः स र सि धि ला य वा ॥ स व वा हा तु त
इ तु म साः जा ला ॥ स व इ इ तु त साः मा ना पि ना म द्वा ॥ न पा इ इ तु त
न साः र मि हा मिः य र मं द्वा वि गु हा ॥ ज व ला वि तु त साः वि गु द

आभा मरुतयि

773

[illegible][illegible]

524341

ॐ नमः शिवाय ॥ असि शिवाय ॥ ॥ मन्त्र कथा प्रक
लाया ॥ ॥ गायत्रा मन्त्र कथा प्रकलाया ॥ ॥ अथ विन
अं गु वि ॥ १०५ ॥ दक्षिण ॥ अथ नमः ॥ अं गु वि ॥
अथ नमः ॥ अं गु वि ॥ १०६ ॥ दक्षिण ॥ अथ नमः ॥ अं गु वि ॥ १०७

॥ ॥ गायत्रा मन्त्र कथा ॥ इति ॥ ज्ञानदत्तः चिकित्सकः कश्चि नलि

कथ

या हरे श्री लिंगे नमः सदा विष्णु कर्मो हो भवता

मन्त्र कथा प्रकलाया ॥ असि शिवाय ॥ ॥ मन्त्र कथा प्रक
लाया ॥ ॥ गायत्रा मन्त्र कथा प्रकलाया ॥ ॥ अथ विन
अं गु वि ॥ १०५ ॥ दक्षिण ॥ अथ नमः ॥ अं गु वि ॥
अथ नमः ॥ अं गु वि ॥ १०६ ॥ दक्षिण ॥ अथ नमः ॥ अं गु वि ॥ १०७
क ॥ ॥ गायत्रा मन्त्र कथा ॥ इति ॥ ज्ञानदत्तः चिकित्सकः कश्चि नलि
कथ ॥ ॥ गायत्रा मन्त्र कथा ॥ इति ॥ ज्ञानदत्तः चिकित्सकः कश्चि नलि
कथ ॥ ॥ गायत्रा मन्त्र कथा ॥ इति ॥ ज्ञानदत्तः चिकित्सकः कश्चि नलि
कथ ॥ ॥ गायत्रा मन्त्र कथा ॥ इति ॥ ज्ञानदत्तः चिकित्सकः कश्चि नलि

प्रथमत्राका ॥ वाप्रियात्राः नाहवसाः कत्रात्र
याहः थुर्कयायुथमसं कायदय ॥ प्रियमामभायि ॥
यभाय ॥ वात्राप्रतिहवकाः कत्रादिहय ॥ ॥ दथु
किनाहवकाः दथुप्रतिहवकाया ॥ याकाकाकनासा ॥ ॥
नाहककः अनेगविद्यासम् ॥ अंगुत्राप्रतिहवकाः कि
गमह ॥ वाप्रियात्राहवसाः धमीनहय ॥ वाप्रियात्राः प्रतिहव
साः कत्रावसमामवाय ॥ यविमथिथिः थिवयागुद्वह ॥ ॥ प्रसिन

वरुनकनर्कः महाद्वहय ॥ वाप्रियात्राहिनसाः मगत्रहय ॥
सदाकारः प्रसिदाहवसाः विह्वकाप्रिः काप्रियात्राहवसाः
धनत्राहवसाः ॥ वात्रासः इत्राससुत्रासा ॥ दथुत्रासह
साः तसत्रकायहय ॥ अंगुत्रियासः हात्रसाः हागिहय
त्रायासहात्रसाः अमंगत्रहय ॥ प्रसिदाहवकाः प्र
नायप्रसिः रिहकात्रिसाया ॥ ॥ काद्वप्रसिः पद
नाचिप्रसिः थुत्रावदसिया ॥ हावप्रसिर्कत्रि

धनं नमः ॥ नामाय ॥ ग्यात्रि नमः कयाः ॥ लया मइ ॥ ग्या
 नामाय था क॥ ग्यात्रि थं सा कयाः धूर्त्त वन ॥ गुथि
 धनं गनि ॥ गुथि रू न सा कयाः दधि ॥ गुथि री डा ठ
 द॥ ॥ किरण प्रथम कया ॥ स्रिया थं दं ॥ कुत मृगि ॥
 (यका दं कुं २ ला जा जू न ना प्रहिय ॥ स्वयाथि दं कुं २ नाम न इयू ॥
 ना दा डा दं ॥ जाय द्या य ॥ विमि रि साः ॥ कु नाम इ दं ॥ ना जा जू डा ना
 न प्रहिय ॥ स्वायाथि दं कुं २ इ प्र साः ॥ ला गि ॥ का दयाथि दं कुं २ इ प्र सा

इमि इयु॥ माक नयाथि ठक र्कः वायययु॥ सिंठ याथि ठक र्कः
 इ लमाः नवमि इयु॥ पायकि थदी विमिहाः वा प्रमाः नडासि
 इयु॥ र्क नयाः सवा डामाः धनमन रुयु॥ ॥ हंस कायाथ ग
 ला कायाथः हनि कायाथः कायस डार्कः प्रकृत नाकस्य॥ अमाठ
 थः किहिक कायाथः कायस डार्कः हागि सिम॥ ॥ लय
 ला ला नास का डार्कः नास नसिय॥ ॥ याप्रिया प्रष
 क ननसा नमायु॥ यप्रिमाथ ठक र्कः नमायु॥ यनि

रागिनीयः॥ उच्यते ॥ ७ ॥ अथ कृतज्ञानस्य ॥ ॥ ४ ॥ न स
 दा सधं द द द द ॥ नास नसियः॥ विद्या न न प रि द्रः
 द वा शि द्रः॥ उच्यते ॥ ८ ॥ अथ कृतज्ञानस्य ॥ ॥ ५ ॥ न स
 दिनसा॥ सुद्व रा गि इ ड मि यः॥ गु न व न इ व मि यः॥ स्व ल वा यः॥ न
 द र्कः॥ मि सा ना य क क न ल व द यः॥ मि सा या इ ल सा॥ मि क न ना कः॥ अ न
 द य मि यः॥ स्व र सः॥ द थ द क य न साः॥ उच्यते ॥ ९ ॥ अथ कृतज्ञानस्य ॥ ॥ ६ ॥ न स
 निमा॥ ल वा न द यः॥ ॥ ३ ॥ अथ कृतज्ञानस्यः॥ द्र वं का य व यः॥ स्व व द न

भातसा ॥ कर्णिका च वर्यसि य ॥ ॥ लिङ्ग नमस्तत्र का प्रसः हि नृप्रकिरि
 क्रिदि २ वानसा ॥ नृगत्र सदृशयय सदा ॥ लिङ्ग इहः ॥ डा नि इ वसा ॥ ॥
 अंगुलि १ हक कर्कः प्रथम नमस्तत्र सि य ॥ ॥ मिङ्ग नर्या ॥ मिष्टाया वस्तु वा
 व ॥ यव २ नाहति न दाय ॥ ॥ अंगुलि १० हक कर्कः प्रथम नमस्तत्र सि य
 या ॥ मिष्टाया इय ॥ ॥ अतिनाह कर्कः प्रथम नमस्तत्र ॥ ॥ मिष्टाया
 यय रुव ॥ लिङ्ग ययः ॥ धनाह वसाः सदा का प्रम गत्र इ
 लिङ्ग या इ वसाः ॥ रुवाः मिष्टाया इ वसाः ॥ स्याथ ॥ ॥ ॥

नाकसिंह ॥ धन कायद्वय ॥ धन जामाद्वय ॥ शिवा
नकाकसाः लुङ्गनमनाक ॥ सिंह ॥ सुवर्गिमिसाहका लु
द्वक्त्रत्रङ्गननाक ॥ शिवासं धाराः धवानदनसाः सिंह ॥ धारा
चासाः कैवेसाः सुदांठमंगलद्वय ॥ मिसाङ्गनयाः आमडमसिंह ॥
शारुप्रङ्गवक्त्रकयाः सिंह ॥ ॥ सुवक्त्रकयामसिंह ॥ शारुकाप्रमः
सुददव ॥ पिङ्गाजातः धर्मसुदां प्रगिद्वय ॥ सुदाकां प्रगिद्वय ॥ सु
कामड ॥ मिसायाहलसाः सुथुशामं द्वय ॥ सुदाधलपानव धकयाः सुदांका

र ॥ पाडवाय धाठः सुनजातात ॥ वयादधङ्ग ॥ सुदाकुञ्जकयाः भावामड ॥
काकानिमिसिद्वय ॥ सुवयारिठ ॥ ॥ सुमडयामसिंह ॥ ॥ गनध्यानः न
वधकयाः सुदांकव ॥ ॥ सिंहधर्मः ककनावानमः पायकद्वय ॥ माकनया
थिठककनयाः नयस्वनिव ॥ कवरकैषियुथाथिठकया कवयस्व
रामायाथिठककनकाया ॥ कायद्वय ॥ ॥ धानयाजङ्गन
धुयाथिठकया नयङ्गननाक ॥ सिंहयाथिठकया ना
थि ॥ सुदय ॥ ॥ नंदुयाजङ्गनहाय ॥ ॥ नंदुजव

म गत्रा लनरा न नरु द्दं इति इय ॥ गत्रा द नरु द्दं
र ॥ असा क न द्याः इति इय ॥ क नाननः धास उ य सा वि ॥
नरु द्दं धमिस इय ॥ धन ध गत्रा द नरु द्दं धाः धा नय
साथि द नरु द्दं धा ध व जा निः भय ॥ ॥ न ग ल न ल वः लान द
वा नय व न य ॥ न गत्रा द न न द्दं गत्रा द न द्दं प न द स डाय दाय ॥
व क न नानन वि क न न न न नः भय ॥ नान वि क न नः न न न न नः
सि य ॥ उ न न न ध य थ द नः वा व क इय ॥ उ न न नः सि द य थ द

न स ॥ न क यु र सि य ॥ इति इय ॥ उ न न नः का व न य थ द न स ॥ न
उ न न सि य ॥ सा य थ द न उ न न नः का नानि इय ॥ भ स य थ ॥ उ न न न
ध यः का नानि इय ॥ कि सि य थ द न उ न न नः न न न न न ॥ उ न न
न क सि दि सा द स ॥ न न न न न न ॥ ॥ कि सि य थ द न नः न न
इ न स ॥ का न य य र य ॥ उ न न न न न न न स ॥ का नानि इय
प्रिया सि दः प्रिया इ न स ॥ कृ सा य य रि द ॥ उ न न न न न
स न न न न स ॥ का न य य ॥ इ न न न न न न रि द ॥ य

सा र्क्षः कृता ह ॥ किं हि स्वात्र र्क्षः सिद्धि र्क्षः
र्क्षः धन हा गि इय ॥ ॥ कुरु सि र्क्षः स्वहाय ॥ कुरु सि र्क्षः
॥ वा न हि ॥ न त स द थ क्रयाः वा च न रा क ॥ त त थ ॥ ॥
क्रा तु मा हा व धि थ रि ॥ कुरु सि र्क्षः स्वा भा य ॥ थ र्क्षः हा वा य र्क्षः
य ॥ ॥ वा या न क न हा य ॥ वा य ३ र थ थ क थ इ इ थ भा य ॥ वा य
न स थ थि र्क्षः वा हि ॥ त क न रा क ॥ इ वाः पि वा न हि ॥ क क वा
व २ २ हा क न स क थ थि ॥ त क न ॥ ध न वा क न वा क न हा त

साः व व भा य ॥ ध न वा य व क न हा र्क्षः मा म भा य ॥ थ थ का
थः ध न वा न हा त साः इ स न य ॥ स स्व भ ॥ ॥ भा या ल क न
हा य ॥ मा र्क्षः स र्क्षः म ॥ त क न रा कः सि य ॥ हा कृ भ न व यः स्वा तु ॥ थ
थि य म व र क न ॥ थ क सि र्क्षः क नः य र्क्षः वा रि इ इ य ॥ य म न य
ः रि णु ल वा नः थ र्क्षः र्क्षः वा रि इ य ॥ वा र्क्षः ज या थ भा म तः थ म थ क य
इ स व स मा रि ॥ र्क्षः क र्क्षः र्क्षः क न ना य स व ॥ थ र्क्षः मा
रि ॥ सि य ॥ स ल मा थ स र्क्षः ॥ त क न रा क ॥ कुरु मा ना य

रुद्रयाथि का चू कक्षासु मनः रुगि॥ द्वापु प्रतिहा वयाः
द्वापु थं हा कया वापि उ न ॥ द्वापु लभ त्र य कया कथं न ॥ द्वापु
लया सुदा क व ॥ ॥ मि स्वापु त्र ऊ न हा य ॥ मि या थं द्वा द्वा को
क ॥ रु नि या थि द्वा मि स्वाः ध नि इ य ॥ द्वा स या थि द्वा मि स्वा द्वाः रु गि
मु त्र ॥ मि स्वा या मि स्वा रा क वा थ कः ला वा ला वा न द द थ थि ग मि स्वाः य
द स स सु दिः थ व थ स स इ दि ॥ ग थ या थि मि स्वाः रु गि नि इ य ॥
रु सि या थि मि स्वाः था त्र स या थि मि स्वाः थ द्वा म नः या या द्वा क या न स ॥

रा क् वा मि स्वा द्वाः रु द्वा म नः क ल द न मि स्वा द्वा द्वाः उ क इ य ॥
का ला व नि मि स्वाः ना म्वा य ॥ वि या थि मि स्वा द्वा त्र ऊ न म द्वा म रि क ॥ य स
या थि मि स्वाः रि द्वा जा नि स य ॥ य ल य नि थि द्वा मि स्वाः रि द्वा जा नि मि य ॥ य वा
या थि मि स्वाः रि द्वा जा नि मि य ॥ ॐ ना य मि स्वा थि द्वा द्वा द्वाः ध नि इ य ॥
ग म्वा रि द्वा ध नि स या थि इ य ॥ या ल मि स्वा द्वा यः क वृ थि मि य ॥
क या ल द्वाः त्र ऊ न ला क ॥ क न या क द्वा क वृ थि थं न ॥ मि य मि स्वा द्वा
वि स्या स या य म न व ॥ मि य अ र द्वा य कः स ल या य म न व ॥ ॐ

वल्गुः मिखावगिमयाढः स्वविहव॥ ककलुठकः कलनः
दुढसायमरुवः सियलुठक॥ धुनिनामिसाकं लुङनमद
जलदगकमिसासाहालाक॥ आदुमिसाकाधि॥ उरुमिसाइभि
सिउमिसावनलआधुल॥ रुदिहाकुमिसाः नामायमद॥ हाय
मिसातामायमद॥ उथा॥ विगिर्याककः नामायमद॥ कलनहाकया
ऊरनमदु॥ सुनानकः उडायक लयारिठ॥ धनदयकेरुय॥
नरुङकं लुङनहाकया॥ धनयुगसाभदय॥ जाथयनक लवव

या॥ धनयुगसाभदय॥ काधमिजानिहय॥ रिङ्गहन्नाहि॥ जाव
पङ्कगमजानिः सिय॥ विराङ्गलुङ्गदालिङ्गइय॥ द्वायावङ्ग
सावानः मिसरुवङ्गः उरुनाउः सिय॥ मिसनाहावङ्गः नामाय
व॥ मिसानहावङ्गः दालिङ्गइय॥ दथुः नकडिकमिसाया॥ धहात
पहुयहायव॥ मिसाभाङ्गजाययय॥ न्यामन्यामः लुङनहायाः
लुङनगुनिक॥ विथवनकयाउधङ्गलुङन॥ मनिवन्धकया
गुरुलुङन॥ कयालुनाहावयाः यादाकार्यनाह॥ इव॥ गुनि

निमद ॥ कयात्रसहि नमिः यवुदन साः द ५० अयुदय ॥ हन
 पृदुदन साः द १० अयुदय ॥ हिनमि पृदुदन साः द १० अयुदय
 न्निपृदुदन साः द १० अयुदय ॥ सुखामदायाः जून ल धनः वनि
 वनि ॥ ॥ यजन ॥ सदा वाधि ॥ वि शु रः वानदिरिदन साः राजापद ॥
 ॥ शु वक्तु थ ल पादन साः धन वन इय ॥ कयात्रसि कृ धद क्रैः नि ॥
 धनि इय ॥ गावलि न थः हिनमिद व क यात्रः सदा म ग ल इय ॥ वा
 न ल क्रैः रुमि इय ॥ कायन ल क्रै दय ॥ कयात्रः थ कु वय कुतु कात्र या

अश्वमेध
 ASHA ARCHIVES

793

वक्तु नत्रा कस्य ॥ काश्चि नाहा कः कयात्र क्रैः स गत्र इय ॥ अत्र था
 वान कयात्रः शु वक्तु न ॥ या वात्र गि यः अत्र कुनः ग ल न काम हा व
 सा ॥ अत्र कुन ॥ स्यात्र कुनः वसन न ल्मा डि व सात्र कुन रि द ॥ मि स्या
 इ इ थ थ थि वः वक्तु नत्रा क ॥ या जा व इ इ वक्तु न रि द ॥ इ इ ना कोः
 वक्तु न रि द ॥ वक्तु न थ नि पृ वान इ व साः वक्तु न न इ इ ॥ इ इ वि विः सू क
 धद रि ॥ इ इ ना हा क व क्रैः वक्तु न मत्रा क स्य ॥ इ इ वि विः हा क
 न व धद क्रैः अत्र न ॥ सिन ना हा क मि सुः ना यि न वि वा हा या न

अकाशस्य विनयः ॥ ॥ दिक्किलः अयतिः सोनिथामहयः यान
 सदहमहः सुवर ॥ ॥ ॥ हः क्लानमहः विकारकः धननिहासः
 मवमानादव नस्वहाययवः महाहासिः दानाहयः पासाथिर
 जाम् विविनयानहयः पृथदयः धनदयः ॥ ॥ यः विवाहान
 वयः सुनदयः मामः वदः अहियवः हासिहयः आकनहानि
 ॥ ॥ नानादसानययः कप्रह्यायः मदरदवर्नहः स्ववियू ॥ ॥ स
 सायिरायगकः नजर्वनहयः साव्यदयः शुक्लानहयः

दयः धनदयः ॥ ॥ ॥ ॥ धर्मसुखप्रदिवः सुखं वादि इयः
 यः शक्ति इयः नमदादः गुणसुयः सुवन आयः ॥ ॥ नः द
 नियायः कन्यादयः सुया के विनतयः सासु सुत्रयः सुपायः
 दग धर्मपायप्रसूयः दं दया के सिवायायः वाषपं वा प्रदिदः
 गुनिक इयः धनं थ्रिः सासु सुयः प्राकव ठव ॥ ॥ नः प्राकस
 इयः सुचि न इयः धनदयः विध कदयः गुन्या हति इयः
 ॥ ॥ चः सुइयः शूनवृक धदः सुवन न इवनः दस दसागन

कृष्णकामद॥६॥ साहसिधियुः महाहानिदयः साहस्यः
मनत्रिकायदयः सावयाक्रायदयः॥७॥ धः सनिनिकृद
यः सूनदयः साकी खनिसात्र॥ साकामानेदयः ऊष्ट्राह
दयः॥ ॥ यूनसासिः स्वयाधियुः साकहिदनयः वात्रद
हकिनात्रदयः॥ ॥ नसावसाः याकोसिधियुः मेवय
मरुथयः नवरवत्रयुः मरुदयः सननदयः॥
॥ त्रिस्त्रिनः साहनदसिदइत्रे॥ ॥ शुभ॥

॥ वरुः वरुनी॥ सागनमकयुः मिमाऊनवक्रन
युः धनदयः निनिदयः साकत्रहिय॥ ॥ वरुः शु
॥ सवमुत्रिआयायः सावप्रसुयुः वदस्युः पूत्रहिनइ
उदयः कृष्णमावादयः वासास्य॥ ॥ अंगः वधः वद॥
दिनइयः कवित्रइयुः सासुः हिदत्रायः भवयाठः वकात्र
यायुः त्रिमथुठः सास्य॥ ॥ अंगः वधः वद॥ नूगन
मक्तिनिचवत्रमनः कृष्णमायानिः पित्राय॥ ॥ अंगः वरुः

गानि ॥ मन्त्रिहृद प्रायः शुद्धि इयः नृसन्ति इयः आसयः कृ
लस आत्रमः य ददम गः आनि ॥ ॥ नृगाः वृषः गानि ॥ मन्त्र
या कृ ग आन मात्रिः मिषास्या क दयः स्वा प्रम द्या प्रदयः द्वि
प्रस्वा प्रयै के ॥ ॥ नृगाः वृहः शुक्र ॥ मिषाहि ह प्रायः
दिरः काउ मयनः आनंदः आक व रु य वः आ आ न म ल ह
॥ ॥ नृगाः वृहः गानि ॥ रु मा न प्रदय क रु यः प्रा
प्रकायः च दृष द व लु स य य यः दम आ वः म ग व

नृगाः शुक्रः गानि ॥ मित्र सा रा वः मरिहः सु न
र नंद वरियः म व या कृ स आ न मात्रिः द द्वि इ य
वृहः शुक्र ॥ मित्र प्र या कृ रि नि वः आ आ न य जा या यः रु
द य क रु यः न प्रा कृ कि नि या यः स ल व दि इ य ॥ ॥ वृ
हः गानि ॥ ग्रीहि ह प्रायः व न द यः व न द यः लु इ यः य नि इ यः
वि य मि स धि उ या य ॥ ॥ वृषः शुक्रः गानि ॥ शु क व व न द्रा यः
कि ना वः नृसन्ति इयः स ल आ स यः य द द म ग आ नि ॥ ॥ वृ

हः शुक्रः गनि॥ त्राजयुः किमिदयः ज्ञानमरिप्रकामकाप्रमः
मिप्ररिह॥ १२३७ ॥ चंदुः जंगमः वधः कुमिहयः खड्गयः
यामय॥ ॥ आदिः चंदुः जंगमः वधः॥ धनिमुहयः वयुतुकन
ः कायाप्रनप्रकयः नडवतहयः शकमहयः निमिहय॥
आदिः चंदुः जंगमः शुक्र॥ पदिनहयः उत्रदयः शुचि
वगयः धनदय॥ ॥ आदिः चंदुः जंगमः गनि॥
धनमदः नृगत्रगयिः मननप्राहयः वाद्वानि

आदिः चंदुः वधः शुक्र॥ कप्रमिहयः धनिहय
कः निप्राग॥ ॥ आदिः चंदुः वधः शुक्र॥ शुचि
वतकात्राजयनदयः स्याहयः त्रिकाकत्र॥ ॥ आदिः
वधः गनि॥ त्रिखाहानिहः मामहियः कप्रमिहयः निधन
आदिः चंदुः वधः शुक्र॥ त्राजमानेदयः त्रासनः शुचिः गुन
शुचिः त्रायात्राहय॥ ॥ आदिः चंदुः वधः गनि॥ धनमद
सुनायः मिखावायुः स्यमिदयः यूतदयः स्रुहय॥ ॥

त्रादिः उंउः शुक्रः शनि॥ अग्निद्वयः प्रागष्टदाहः मिष्टाय
दायः स्नाहः॥ ॥ त्रादिः उंउः वृषः वृह॥ कवयः कानिदः
किनात्रहयः शुक्रहयः द्रवि॥ ॥ त्रादिः उंउः अंगः शुक्र॥
युदया ककिनात्रहयः नित्रहयः दृजत्रहयः स्वक
महिद्वय॥ ॥ त्रादिः अंगः वृषः शनि॥ आ ध
वित्रहयः प्राजायामिनः कवमहयः निह
॥ ॥ त्रादिः अंगः वृहः शुक्र॥ प्राकनमानि

हागदयः प्राकमानदयः निमिदय॥ ॥
हः शनि॥ समस्तयानामकहयः प्राकमानदय
य॥ ॥ त्रादिः अंगः शुक्रः॥ प्राकयनिः मिः कदः
हनमायः प्राकनमयाय॥ ॥ अः वृः वृः शु॥ नानामन
हयः शुक्रहयः धनयिहयः प्राकयाकयायदय॥
त्राः वृः वृः श॥ दाहकि जादयः प्रायमापिः शुमानि हयः मि
मयाप्रायमायः उदममयाय॥ ॥ अः वृः शुक्रः श॥ अष्टदयः

उचि न इयः अ क व उ नः स ल द यः अ स र म य ॥ ॥ अः

वः शुः श ॥ ग र द यः शु मा नि इ यः क वि न इ यः क ना द यः न
उ म न द य ॥ ॥ चः अः वः वः ॥ सा स म यः न ड म न इ यः

स व धि द य ॥ ॥ चः अः वः शुः ॥ सा या मि य य मः स मः

यः अ य य मः स ग र क ध दः म व मा ना र क वि

चः अः वः श ॥ स र इ यः य र य नि द यः स य वि

न ना नः व वः अ डाः अ डि ॥ ॥ चः अः वः शुः ॥

किः वि का क नः ध नि इ यः य व द यः शु मा नि

॥ ॥ चः अः वः श ॥ वा च इ यः वा य थ द नि

शु न इ यः अ म य ॥ ॥ चः अः शुः श ॥ क र स न

न ग न ग र व नः वि या थ मि र ॥ ॥ चः वः वः शुः ॥ स

ध नि इ यः अ डिः अ डाः मा मः व वः ना ना क श न इ यः सु म

॥ ॥ चः वः वः श ॥ वा सा धि न मा निः क वि न इ यः न ड व न इ यः

न ड म न इ यः अ म द य ॥ ॥ चः वः शुः श ॥ मा म मि यः क मि य

२३७५

२४७५

२४८५

२४९५

कः ध्याद्वा दक्षिण्यः सिद्धिं न कुरुतां मात्रि॥ ॥ वः वः शुः श॥ कि
नात्र इयः यदि न इयः धर्ममदयः निर्धः नाह कति त्राय॥ ॥
३९२० : जः वः वः श॥ मिमाननाय यत्रायः धनदयः सिद्धिश्च सवति
३९२० प्रो कनमानि॥ ॥ जः वः वः श॥ गुत्र इयः धननिहाय
३९२० इयः उन्नतदय॥ ॥ जः वः शुः श॥ प्राकय कना
सप्रिन्न इयः ज्ञानसात्र यज्ञि इय॥ ॥ जः
गयनि समयायः धनि इयः न उन्नत इयः श

३२२० ॥ वः वः शुः श॥ जः धाममिमा उन्नतय के इययय
१२३९१ यः सा सा सय॥ ॥ जः यः जः वः वः ॥ प्राकय का
१२३९२ ॥ ॥ जः यः जः वः शुः ॥ एतन्मदः यासा निहायः म
१२३९३ न इयः मिमा उन्नतय इय॥ ॥ जः यः जः वः श॥ नाममाय
१२३९४ यतिः निहाय इयः दक्षिण्यः संवति मद॥ ॥ जः यः जः वः वः
१२३९५ धव जात समया निवः मामः ववः सियः दक्षिणः दक्षि॥ ॥ जः
१२३९६ यः जः वः श॥ माठयार्दव कायः वत्रयायः भवः दक्षिण्यः द

१२३८॥ सुयू॥ ॥ ज्ञः यः त्रः शुः श॥ शुमाना इयः धनमदः किना
 १२४२॥ प्रहयू॥ ॥ ज्ञः यः वः वः शुः ॥ प्राजायाममह इयः रुमा ननद
 १२५०॥ यः ऊयाह प्रमयूः नऊठनः नामदनिव॥ ॥ ज्ञः यः वः वः
 मवरा ज्ञनयमात्रिः वाइ प्राथानिः हनिठनिनगात्रा
 यमवरातानकमनहः हिरात्रि॥ ॥ ज्ञः यः
 मदः पृथयू विमदः मवनइयः उदसात्रम
 कावयू॥ ॥ ज्ञः यः वः शुः श॥ ॥ इयु जात्रः माय

यः यंत्रप्रविनिमिसाया कसा प्राः यदि न
 ज्ञः यः वः शुः ॥ सत्रायायात्रनत्रककयः सात्र
 थकात्रनइयः प्राजानमनह॥ ॥ ज्ञः यः वः वः
 निः सत्रिप्रनिहसः यथसहिरत्रइय॥ ॥ ज्ञः यः वः वः
 यनकयः सहययः थानवुसइयः विकाक॥ ॥ ज्ञः यः वः वः
 ॥ ज्ञः यः वः वः शुः श॥ ॥ इयु जात्रः माय
 ॥ ज्ञः यः वः वः शुः श॥ मनुकयः प्राकनइयः साहसयः आधइ

यः शुभामनसश्चानिःकथादयः॥ ॥ चः ज्ञः वः वः शुः॥ साधुदयः
यायमदयः विद्यादयः शुभदयः ज्ञयाप्रियसुदयः मनुदयः॥
॥ ॥ चः ज्ञः वः वः शुः॥ साधुदयः श्रुताननयः श्रुतदमद
सुतनदयः॥ ॥ चः ज्ञः वः वः शुः॥ साधुदयः मनुदयः
सुतमदमवदयः विद्युः शुभानि॥ ॥ चः ज्ञः वः वः शुः॥
मनुदयः श्रुताननयः श्रुतदमदयः विद्युः शुभानि॥ ॥ चः
ज्ञः वः वः शुः॥ साधुदयः श्रुताननयः श्रुतदमदयः विद्युः शुभानि॥

निनायकदयः यदुदयः॥ ॥ ज्ञः वः वः शुः॥
धुदयः कृषिः साधुदयः श्रुताननयः श्रुतदमदयः विद्युः शुभानि॥
॥ चः ज्ञः वः वः शुः॥ धनदयः धमदयः विद्यामयः
ज्ञः ज्ञः वः वः शुः॥ साधुदयः श्रुताननयः श्रुतदमदयः विद्युः शुभानि॥
मनःसंगरिदयः॥ ॥ ज्ञः ज्ञः वः वः शुः॥ साधुदयः श्रुताननयः
श्रुतदमदयः विद्युः शुभानि॥ ॥ ज्ञः ज्ञः वः वः शुः॥
धनदयः धमदयः विद्यामयः श्रुताननयः श्रुतदमदयः विद्युः शुभानि॥

मरिच ॥ ॥ नः चः वः गुः वः गः ॥ मायाया वामदः शरु प्रथा कः नि
धरुयः प्रा कर्म न इयः वामादयः सह श्रिति आसय ॥ ॥ नः चः
वः वः गुः गः ॥ धनमदः युगमदः शरु प्रथा कः जानि इयः ॥
प्रहयः स्काय ॥ ॥ चः नः वः गुः वः गः ॥ धनदयः युगदयः
इयः मति इयः सजाय कादयः मइयः प्रा जान
माप्रहयः कस्मनथायः अनर प्रहइयः साय
॥ ॥ नः चः नः वः गुः गः ॥ धनका मयायः सवय

यः जानइयः वः नग प्रम प्रा गदयः श्रम
॥ ॥ चः नः गः ॥ हिमति का प्रहयः वाया च
सवया जायः धनदयः आ धइयः कृ प्रि ॥
गान नवः कास्मा परि निवः का वययः धनदयः गु न
वरव प्रहयः आ धइयः कृ ॥ ॥ चः वः ॥ धनयः जा
इयः उकाय जायाय वि मस दाढः यासायाय न दानि वः धनद
यि वि सदा दस न वस दाढः शरु वरिच ॥ ॥ चः गुः ॥ मि ॥

साहस्रमहिम्नः यत्र नाकशकमस्युः प्रार्थययः कप्रहयिनीः अथ
वामिसाः कप्रान्ताय ॥ ॥ वरुः गनी ॥ सत्राः किमिवाया प्रयाय
प्रसाहस्रमहिम्नः वधमीत्रायः वस्य कप्रान्तायः यत्र यत्रिम
॥ अंगः वरु ॥ वामिस्यः कमिद्रास्यः नितिस्यः अश्वययः म
इय ॥ ॥ अंगः वरु ॥ गुनदयः इप्रम
दः सिन्नाप्रइयः यदात्राः मान्यद ॥ ॥ अंग
यययः धममदः लायययः वद्राय वामिद्राइ

वामः कमकाय ॥ ॥ वरुः वरु ॥ ननविद्या
वृषिइय ॥ ॥ वरुः वरु ॥ वामयायः कमिद्रा
वाकयः वाकस्यः वामस्यः कात्रिइय ॥ ॥ वरुः वरु
कप्रइयमदयः उयकाप्रमयाकः नन वाककात्रिइयः व
कायाकात्रिइय ॥ ॥ वरुः वरु ॥ वारिद्रायायः धनि
मदयः यत्रिमानदयः विद्वान्प्रकायाय ॥ ॥ वरुः गनी ॥ धनम्
नरुयः वृत्रइयः मित्राहिनितः गामसुत्रायकइय ॥ ॥ वरुः

॥ शनि ॥ आयात्र नत्र कयः मययाः अत्र नत्र किवः अयत्रिय मय ॥

॥ ॥ चंडः शुर्क ॥ आयात्र कयः नत्र किवः अयत्रिय मय ॥

दः याका अत्रिय मयः मयान नत्र मयिय मय ॥ ॥ शुर्कः नत्र

यात्र मयः नत्र किवः अयत्रिय मयः नत्र मयिय मय ॥

मयः अयत्रिय मयः ॥ ॥ शुर्कः नत्र मयिय मय ॥

दयः अयत्रिय मयः नत्र मयिय मय ॥

॥ ॥ शुर्कः नत्र मयिय मय ॥

अयत्रिय मयः नत्र मयिय मय ॥ ॥ शुर्कः नत्र मयिय मय ॥

गदय मयः मयान नत्र मयिय मय ॥

विद्या अयत्रिय मयः नत्र मयिय मय ॥

अयत्रिय मयः नत्र मयिय मय ॥ ॥ शुर्कः नत्र मयिय मय ॥

मयः अयत्रिय मयः नत्र मयिय मय ॥

यत्र मयः अयत्रिय मयः नत्र मयिय मय ॥ ॥ शुर्कः नत्र मयिय मय ॥

अयत्रिय मयः नत्र मयिय मय ॥ ॥ शुर्कः नत्र मयिय मय ॥